Mahatma Gautam Buddha history in Hindi : महात्मा गौतम बुद्ध की जीवनी

गौतम बुद्ध का प्रारंभिक जीवन : Early life of Gautama Buddha
महात्मा गौतम बुद्ध का जन्म (Birth of Mahatma Gautam Buddha) 483 **और 563 ई. पू. के बीच कपिलवस्तु (Kapilvastu) के पास लुंबिनी (Lumbini), नेपाल (Nepal) में हुआ था।** गौतम बुद्ध का पूरा नाम **'सिद्धार्थ गौतम बुद्ध' (Siddharth Gautam Buddha) था।**
गौतम बुद्ध के पिता का नाम शुद्धोधन (Śuddhodana) और माता का नाम महामाया (Mahamaya) था।

सिद्धार्थ के जन्म के 7 दिन बाद उनकी माता का निधन हो गया था। माता के निधन के बाद उनका पालन-पोषण उनकी मौसी और शुद्दोधन की दूसरी रानी (महाप्रजावती गौतमी) ने किया था। जिसके बाद इनका नाम सिद्धार्थ रख दिया गया।

सिद्धार्थ का अर्थ है "वह जो सिद्धी प्राप्ति के लिए जन्मा हो"। (That which is born to attain siddhi).
इनके जन्म के समय एक महात्मा अर्थात साधु ने भविष्यवाणी की थी कि यह बालक किसी महान धर्म का प्रचारक होगा। जब राजा शुद्धोधन को इस भविष्यवाणी के बारे में पता चला तो वे बड़े चिंतित हुए तथा उन्होनें साधु की भविष्यवाणी (Prediction) को गलत करने के लिए पूरा प्रयास किये क्योंकि राजा शुद्धोधन चाहते थे कि वे उनके राज सिंहासन को संभालें और राज करे।
सिद्धार्थ के पिता ने सिदार्थ को राजमहल (Palace) से बाहर नहीं निकलने देते थे तथा अपने महल में ही पुत्र सिद्धार्थ के लिए सभी प्रकार के आमोद-प्रमोद का इंतजाम कर दिए लेकिन सिद्धार्थ बचपन से ही करुणायुक्त और गंभीर स्वभाव के थे इसलिए राजा की पूरी कोशिशों के बाद भी **सिद्धार्थ ने अपने परिवारिक मोह-माया का त्याग करके सत्य की खोज (Discovering truth) में निकल पड़े।**

कथाओं के अनुसार जब इनके सौतेले भाई देवव्रत (Step brother Devbrat) ने एक पक्षी को अपने बाण से घायल कर दिया था, इस घटना से गौतम बुद्ध को बहुत दुःख हुआ और (Gautam Buddha was very sad) उन्होंने उस पक्षी की सेवा करके उसे जीवन दिया था।

गौतम बुद्ध का पूरा नाम (Full name of Gautam Buddha) : सिद्धार्थ गौतम बुद्ध (Siddharth Gautam Buddha)
जन्म (Birth) : 563 ई. पू., लुम्बिनी (Lumbini)
मृत्यु (Death) : 463 ई. पू., कुशीनगर (Kushinagar)
पिता का नाम (Father's name) : शुद्धोधन (Śuddhodana)
माता का नाम (Mother's name) : महामाया (Mahamaya)
पत्नी का नाम (Wife's name) : यशोधरा (Yashodhara)

शिक्षा (Education) : वेद और उपनिषद (Vedas and Upanishads)
धर्म (Religion) : हिन्दू, बौद्ध धर्म के प्रवर्तक (Hindu, the originator of Buddhism)

शिक्षा : Education

गौतम बुद्ध ने अन्धविश्वासों तथा रुढियों का खंडन करके एक सहज मानव धर्म की स्थापना किया। गौतम बुद्ध ने कहा की मनुष्य को संयम, सत्य तथा अहिंसा का पालन करना चाहिए तथा सरल जीवन व्यतीत करना चाहिए।

उन्होंने कर्म, भाव तथा ज्ञान के साथ 'सम्यक्' की साधना पर बल दिया। इसी तरह मनुष्य को पीड़ा तथा मृत्यु भय से मुक्ति मिल सकती है और भय मुक्ति एवं शांति को ही उन्होंने निर्वाण कहा है। उन्होंने मनुष्य की मुक्ति का मार्ग ढूंढने के लिए स्वयं राजसी भोग-विलास त्याग करके अनेक प्रकार के शारीरिक और अन्य कष्ट भी झेले।

चिंतन, मनन और कठोर साधना के बाद ही उन्हें गया (बिहार) में बोधिवृक्ष के नीचे तत्व ज्ञान की प्राप्ति हुयी था।

गौतम बुद्ध ने सबसे पहले पांच शिष्यों को दिक्षा दी थी।

चार सत्य – Four truths : बौद्ध दर्शन के मूल सिद्धांत है –

(1) **दुःख (Sorrow)** : संसार में दुःख है। (There is sorrow in the world)
(2) **समुदय** : दुःख के कारण हैं। (Are due to Sorrow)
(3) **निरोध** : दुःख के निवारण (Prevention) हैं।
(4) **मार्ग** : निवारण के लिये अष्टांगिक मार्ग हैं।

अष्टांग मार्ग – बौद्ध धर्म के अनुसार, दुःख निरोध पाने का रास्ता।

1. **सम्यक दृष्टि** : चार आर्य सत्य में विश्वास करना
2. **सम्यक संकल्प** : मानसिक और नैतिक विकास की प्रतिज्ञा करना
3. **सम्यक वाक** : हानिकारक बातें और झूठ न बोलना
4. **सम्यक कर्म** : हानिकारक कर्म न करना
5. **सम्यक जीविका** : स्पष्टतः या अस्पष्टतः हानिकारक व्यापार न करना
6. **सम्यक प्रयास** : स्वंय सुधरने की कोशिश करना
7. **सम्यक स्मृति** : स्पष्ट ज्ञान से देखने की मानसिक योग्यता पाने की कोशिश करना
8. **सम्यक समाधि** : निर्वाण पाना तथा स्वयं का गायब होना

महात्मा गौतम बुद्ध (Mahatma Gautam Buddha) ने अपने उपदेशों से मनुष्य के जीवन को सफल बनाया तथा साथ ही लोगों में करुणा और दया का भाव भी पैदा करने में अपनी अहम भूमिका निभाई।

बौद्ध धर्म न सिर्फ भारत के लोग बल्कि विश्व के लोग बौद्ध धर्म का पालन करते हैं।

Note:- This content is taken from the internet for the readers.

– अनमोल ज्ञान इंडिया –